



ॠ हिंदी वर्णमाला का सातवाँ स्वर-वर्ण, जो मूर्द्धा से उच्चरित होता है। संस्कृत में इसके ह्रस्व, दीर्घ और प्लुत तीनों प्रकार के उच्चारण होते हैं पर हिंदी में इसका प्रस्तुत ह्रस्व रूप में ही प्रचलन है। आजकल हिंदी में इसका उच्चारण 'रि' के समान होता है। 'ॠ' की मात्रा व्यंजनों के नीचे जुड़कर लगती है जैसे- कृ, गृ, हृ आदि। स्त्री. 1. देवमाता अदिति 2. निंदा 3. उपहास।

ॠकार पुं. (तत्.) 'ॠ' स्वर और उसकी ध्वनि।

ॠक् स्त्री. (तत्.) 1. ॠचा 2. वेदमंत्र, वेद की ॠचा पुं. ॠग्वेद।

ॠक्थ पुं. (तत्.) 1. उत्तराधिकार में छोड़ी या प्राप्त संपत्ति, दायभाग; परिसंपदा 2. सोना 3. जायदाद। दे. रिक्थ।

ॠक्थग्राह पुं (तत्.) उत्तराधिकारी, वारिस, उत्तराधिकार प्राप्त करने वाला।

ॠक्थभाग पुं. (तत्.) पूर्वजों द्वारा छोड़ी गई धन संपत्ति का भागीदार, उत्तराधिकारी।

ॠक्थभागी/ॠक्थहर/ॠक्थहारी पुं. (तत्.) पूर्वजों की संपत्ति पाने वाला या उत्तराधिकारी। दे. ॠक्थग्राह।

ॠक्ष पुं. (तत्.) 1. भालू 2. तारा, नक्षत्र 3. खगो. वे सात तारे जिन्हें 'सप्तर्षि' कहा जाता है The great bear

ॠक्षकल्प वि. (तत्.) नक्षत्रों के समान, तारों के समान।

ॠक्षचक्र पुं. (तत्.) राशियों का समूह, राशि चक्र।

ॠक्षनाथ/ॠक्षपति/ॠक्षराज पुं. (तत्.) 1. ॠक्षों का स्वामी, नायक 2. (नक्षत्रों का राजा चन्द्रमा) 3. रीछों का सेनानायक-जांबवान।

ॠक्षनेमि पुं. (तत्.) विष्णु।

ॠक्षेश पुं. (तत्.) ॠक्षनाथ।

ॠक्संहिता स्त्री. (तत्.) ॠग्वेद की ॠचाओं का संग्रह।

ॠग्वेद पु. (तत्.) चार वेदों (ॠग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद, अथर्ववेद) में से प्रथम वेद।

ॠग्वेदी वि. (तत्.) ॠग्वेद का जानने वाला, जिस व्यक्ति का संस्कार ॠग्वेद में वर्णित विधि से हुआ है, ॠग्वेद पढ़ने वाला।

ॠचा स्त्री. (तत्.) 1. ॠग्वेद का मंत्र 2. वेदमंत्र।

ॠजु वि. (तत्.) 1. सीधा, सरल, सुगम 2. सरल स्वभाववाला।

ॠजुकरण पुं (तत्.) 1. सरलीकरण, सरल करने की क्रिया या भाव 2. सीधा करने का भाव।

ॠजुकाय वि. (तत्.) सीधे शरीर वाला, अपंगता या विकृति रहित शरीर वाला, जिसके शरीर में ॠजुता या टेढ़ापन न हो। पुं. कश्यपमुनि।

ॠजु कोण पु. (तत्.) गणि. कोण जिसकी भुजाएँ एक ही सरल रेखा पर शीर्ष बिंदु से दो विपरीत दिशाओं में स्थित होती हैं, 180° का कोण जो दो समकोणों के बराबर अर्थात् ॠजुकोण बनाता है। straight angle

ॠजुग (ॠजु+ग) वि. (तत्.) 1. सीधा चलने, जाने वाला 2. निष्कपट एवं सरल व्यवहार वाला 3. पुं. बाण, तीर 4. सज्जन, ईमानदार।

ॠजुता स्त्री. (तत्.) सीधापन, सरलता, छल-कपट रहितता।

ॠजुत्व वि. (तत्.) 1. सरलता, सीधापन 2. छल-कपट रहित।

ॠजुरेखा स्त्री. (तत्.) सरल रेखा, सीधी रेखा, जिस रेखा में वक्रता न हो।

ॠजुरेखीय वि. (तत्.) सीधी या सरल रेखा वाला, जिसका निर्माण ॠजुरेखाओं से हुआ हो, ॠजु रेखा से संबधित।

ॠजुलेखन पुं. (तत्.) 1. सीधी लिखावट जिसमें दांये-बांये कोई झुकाव न हो 2. स्पष्ट लेखन।